भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(खेल विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2638

उत्तर देने की तारीख 2 अगस्त, 2022

11 श्रावण, 1944 (शक)

खिलाड़ियों के लिए विशेष पुरस्कार

2638. श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:

श्री कुलदीप राय शर्माः

डॉ. सुभाष रामराव भामरेः

डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:

डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे.

श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक विजेताओं और उनके प्रशिक्षकों को विशेष पुरस्कार देने के लिए कोई योजना आरम्भ की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान दिए गए पुरस्कारों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस योजना के आरम्भ होने से देश में भारतीय खेलों को बढ़ावा मिला है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार सक्रिय खेलों से सेवानिवृत्ति के बाद खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करने में विफल रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ड) क्या सरकार की ओर से समर्थन की कमी ने कई युवाओं को खेलों को अपने करियर के रूप में नहीं चुनने के लिए बाध्य किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं, और

(च) सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले एथलीटों/खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए नीति बनाने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं ?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) से (ग): जी हां। सरकार अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक विजेताओं और उनके कोचों को नकद पुरस्कार की स्कीम लागू कर रही है।

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान इस स्कीम का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

स्कीम का नाम	पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान लाभान्वित खिलाड़ियों की संख्या			
	2019-20	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23 (27.07.2022** (की स्थिति के अनुसार
अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक विजेताओं और उनके कोचों को नकद पुरस्कार की स्कीम	**599**	**391**	**478**	**176**

इस स्कीम ने भारतीय खेलों को बढ़ावा दिया है, जैसा कि टोक्यो ओलंपिक, 2020 में भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ पदक तालिका और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में भारतीय एथलीटों के हालिया प्रदर्शन और जीते गए पदकों से परिलक्षित होता है।

(घ) सरकार उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रतिवर्ष सुनिश्चित मासिक आय प्रदान करने के उद्देश्य से मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन स्कीम के माध्यम से सक्रिय खेलों से संन्यास के बाद सहायता प्रदान करती है। मौजूदा स्कीम के तहत, पूर्व खिलाड़ियों को 12,000/- रु. से 20,000/- रु. तक मासिक पेंशन प्रदान की जाती है।

(ड.) सरकार निम्नलिखित विभिन्न स्कीमों /कार्यक्रमों के माध्यम से सहायता प्रदान करके युवाओं को खेल को करियर के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहित कर रही है:

i. खेलो इंडिया स्कीम का युग्मित उद्देश्य खेल में सामूहिक भागीदारी और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। चयनित खेलो इंडिया एथलीटों के प्रशिक्षण के लिए खेलो इंडिया अकादमियों को प्रति एथलीट प्रति वर्ष 6,28,400 रु. की दर से (एथलीट को आउट ऑफ पॉकेट अलाउंस (ओपीए) के रूप में 1,20,000 रु.सहित) वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

ii. टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) के तहत, सरकार भारत के शीर्ष एथलीटों को ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की तैयारी में सहायता प्रदान करती है। टीओपीएस कोर ग्रुप के एथलीटों को 50,000/- रु. (पचास हजार रु. मात्र) का ओपीए प्रतिमाह और टीओपीएस डेवलपमेंट ग्रुप के एथलीटों को 25,000/- (पच्चीस हजार रु. मात्र) प्रतिमाह प्रदान किया जाता है।

iii. सरकार राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) को सहायता की स्कीम के माध्यम से वित्त पोषण सहायता प्रदान करके ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों आदि जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की तैयारी करने वाले उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करती है। इस स्कीम के तहत, चिन्हित होनहार खिलाड़ियों/टीमों को उनकी तैयारी के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, जिसमें पूर्ण पौष्टिक आहार, खाद्य संपूरक, उपकरण, अत्याधुनिक अवसंरचना, आवास, यात्रा सुविधाएं, प्रतिष्ठित भारतीय और विदेशी कोचों की सेवाएं शामिल हैं। विदेशों में उनके प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता, और भारत और विदेशों में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के अलावा सहायक स्टाफ, वैज्ञानिक और चिकित्सा सहायता, खेल किट, आदि भी प्रदान की जाती है।

iv. प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार स्कीम के तहत एथलीटों को उनकी संबंधित खेल विधाओं में उपकरण सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही, टीओपीएस के तहत एथलीटों के अनुरोध पर एनएसएफ द्वारा अनुशंसित प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के लिए विशिष्ट उपकरण भी प्रदान किए जाते हैं।

v. खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कोष (पीडीयूएनडब्ल्यूएफएस) स्कीम के तहत, सरकार आर्थिक बदहाली में रहने वाले खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, खेल उपकरण की खरीद, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं आदि में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता (2.50 लाख रुपये तक) प्रदान करती है।

(च): उपरोक्त स्कीमों के अलावा, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले एथलीटों/खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए, सरकार हर साल विभिन्न श्रेणियों जैसे मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार और ध्यान चंद पुरस्कार के तहत राष्ट्रीय खेल पुरस्कार भी प्रदान करती है।

****